विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025

[स्रोत: पी.आई.बी](#).

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने **2 फरवरी 2025 को पार्वती अरगा रामसर साइट**, गोंडा, उत्तर प्रदेश (UP) में [विश्व आर्द्रभूमि दिवस](#) **2025** समारोह का आयोजन किया।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025 के संबंध में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **परिचय: यह दिवस** [आर्द्रभूमि](#) **के महत्त्व** के संदर्भ में जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रतिवर्ष मनाया जाता है और यह वर्ष **1971** में ईरान के रामसर में [आर्द्रभूमि पर रामसर कन्वेंशन को अपनाए जाने को विस्मृत कराता है।](#)
- **वर्ष 2025 का विषय:** हमारे साझा भविष्य के लिये आर्द्रभूमि की रक्षा।
- **नवीन रामसर स्थल: झारखंड में उधवा झील,** तमिलनाडु में **तीरतंगल और सक्काराकोट्टई और सिक्किम में खेचियोपलरी को** रामसर स्थलों की सूची में शामिल किया गया है।
    - ये **सिक्किम और झारखंड के पहले** रामसर स्थल हैं।
    - इसके साथ ही **भारत में रामसर स्थलों (अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि) की संख्या बढ़कर 89 हो गई।**
    - **तमिलनाडु में सबसे अधिक संख्या** में रामसर स्थल (20 स्थल) हैं, जिसके बाद **उत्तर प्रदेश (10 स्थल) का स्थान है।**
- **नवीन कॉरिडोर:** सरकार ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में **अयोध्या और देवी पाटन के बीच एक नया प्रकृति-संस्कृति पर्यटन कॉरिडोर** विकसित किया जाएगा।
- **अमृत धरोहर पहल:** [अमृत धरोहर](#) को **जून 2023** में रामसर स्थलों के संरक्षण के लिये लॉन्च किया गया था, जो **चार प्रमुख घटकों** अर्थात **प्रजाति और आवास संरक्षण, प्रकृति पर्यटन, आर्द्रभूमि आजीविका और आर्द्रभूमि कार्बन पर केंद्रित है।**
- **खतरा:** आर्द्रभूमि के लिये सबसे बड़ा खतरा **औद्योगिक और मानवीय अपशिष्टों से जनित प्रदूषण है** , जिससे इन पारिस्थितिक तंत्रों का नाश होता है।

पार्वती अरगा रामसर साइट से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **परिचय:** यह **चिरस्थाई** रूप से **अलवणीय जल क्षेत्र** है, जिसमें **दो गोखुर** [झीलें](#) **यानि पार्वती और अरगा शामिल हैं**, जो **वर्षा आश्रित हैं** और **तराई क्षेत्र** (गंगा के मैदान) में स्थित हैं।
    - इसके निकटवर्ती **टिकरी वन** को भी **इको-पर्यटन स्थल** के रूप में विकसित किया जा रहा है।
    - **गोखुर अथवा ऑक्सबो झीलें U आकार की झीलें** होती हैं, जिनका निर्माण किसी **नदी के घुमावदार मार्ग के कटने पर** होता है, जिससे एक **अलग जल क्षेत्र** का निर्माण होता है।

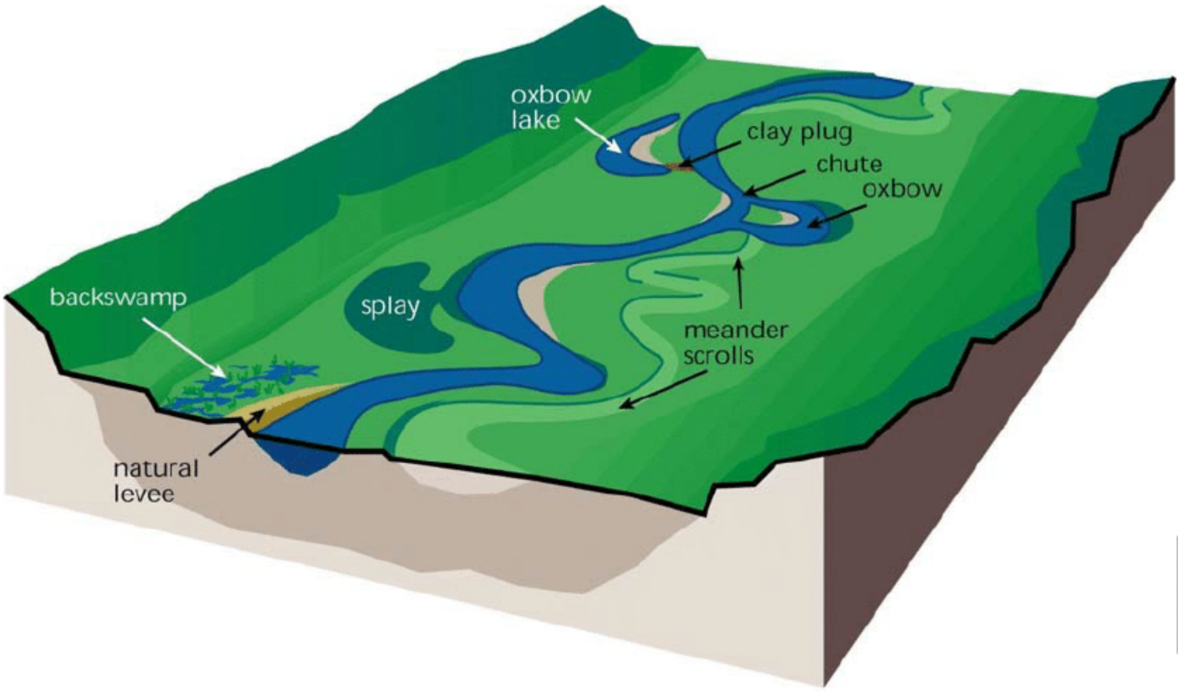

- **पारिस्थितिकि महत्त्व:** यह गंभीर रूप से **संकटापन्न** [व्हाइट टेल्ड गिद्ध, भारतीय गिद्ध] और **संकटापन्न मिस्र के गिद्ध** पाए जाते हैं।
  - **यूरेशियन कूट्स, मैलार्ड्स, ग्रेलैग गीज़, नॉर्दर्न पिनटेल्स** और **रेड-क्रेस्टेड पोचर्ड्स** जैसे प्रवासी पक्षी शीत ऋतु के दौरान यहाँ आते हैं।
- **आक्रामक प्रजातियाँ:** इसे [आक्रामक प्रजातियों], विशेष रूप से **सामान्य** [जलकुंभी] (**Water Hyacinth**) से खतरा है।
- **सांस्कृतिक स्थल**: यह क्षेत्र **महर्षि पतंजलि और** [गोस्वामी तुलसीदास] की जन्मस्थली है, जिससे धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलता है।

रामसर अभिसमय
(RAMSAR CONVENTION)

परिचय:

- इसे आर्द्रभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष **1971** में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- वर्ष **1975** में इसे लागू किया गया।
- ऐसी आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्व रखती हों।
- **विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थल:** पैंटानल, दक्षिण अमेरिका।

मोंट्रेक्स रिकॉर्ड:

- वर्ष **1990** में मोंट्रेक्स (स्विटजरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

आर्द्रभूमियाँ:

- आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या मीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।
- यह नदियों, दलदल, मैंग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, बिलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।
- **विश्व आर्द्रभूमि दिवस:** **2** फरवरी

भारत और रामसर अभिसमय:

- भारत में रामसर अभिसमय वर्ष **1982** में लागू हुआ।
- **रामसर स्थलों की कुल संख्या:** **75**
- चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), वुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- **भारत में संबंधित फ्रेमवर्क**
  - आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, **1986** के प्रावधानों के तहत 'आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, **2017**' को अधिसूचित किया है।
  - ये नियम आर्द्रभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्रभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख तथ्य

- **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थल:** **सुंदरबन, पश्चिम बंगाल**
- **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थल:** **वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु**
- **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्य:** **तमिलनाडु (14)**
- **मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल आर्द्रभूमियाँ:**
  - **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान**
  - **लोकटक झील, मणिपुर**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

<u>?????????:</u>

प्रश्न. यदि अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के एक आर्द्रभूमि को 'मोंट्रेक्स रिकॉर्ड' के अंतर्गत लाया जाता है, तो इसका क्या अर्थ है? (2014)

(A) मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप आर्द्रभूमि के पारिस्थितिकि स्वरूप में परिवर्तन हुआ है, हो रहा है या होने की संभावना है।
(B) जिस देश में आर्द्रभूमि स्थिति है उसे आर्द्रभूमि के किनारे से पाँच किलोमीटर के भीतर किसी भी मानवीय गतिविधि को प्रतिबंधित करने के लिये एक कानून बनाना चाहिये।
(C) आर्द्रभूमि का अस्तित्व इसके आसपास रहने वाले कुछ समुदायों की सांस्कृतिक प्रथाओं एवं परंपराओं पर निर्भर करता है और इसलिये वहाँ की सांस्कृतिक विविधिता को नष्ट नहीं किया जाना चाहिये।
(D) इसे 'विश्व विरासत स्थल' का दर्जा दिया गया है।

उत्तर: (A)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-wetlands-day-2025